༄༅། །ཆོས་སྐད་འཛིན་གྲྭའི་རིའུ་མིག། བདུན་ཕྲག་དང་པོ།

ཐོག་མར༽ སྦྱོར་བ་སེམས་བསྐྱེད་ནི།

མ་མནམ་མཉམ་པའི་སེམས་ཅན་གྱི་དོན་དུ་ཆོས་སྐད་སྦྱང་བར་བསམ།

བར་དུ༽ དངོས་གཞི་དམིགས་མེད་པ་ནི།

ཡི་གེ་སྦྱོང་བའི་སྐབས་སུ་སྣང་མེད་དུ་མ་སོང་བར་ལུས་ངག་ཡིད་གསུམ་དྲེན་ཤེས་ཀྱི་ཐོག་ཡི་གེ་བསློབ་དགོས་པ་ཡིན།

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | ཨང་རིམ། | ཕྱག་ཚོད། ༡ | བརྗོད་བྱ། | སྦྱོང་བརྡ། | དྲི་བ། | དྲན་གསོ། | | ༡ | སྐར་ཆ་༼༡༠༽ | ཡི་གེའི་བྱུང་ཁུངས། |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | ༢ | སྐར་ཆ་༼༡༥༽ | ཡི་གེའི་སྒྲ་མདངས། |  |  |  | | ༣ | སྐར་ཆ་༼༤༠༽ | ཡི་གེ་དང་ཡིག་གཟུགས་ཀྱི་ཁྱད་པར། |  |  |  | | ༤ | སྐར་ཆ་༼༡༠༽ | དྲི་བ། |  |  |  | | ༥ | སྐར་ཆ་༼༡༥༽ | ལེན། |  |  |  | |

མཐའ་མ༽ དགེ་བ་སེམས་ཅན་གྱི་དོན་དུ་བསྔོ་བ་ནི།

ཚེ་འདིའི་ཕ་མར་གཙོ་བོར་གྱུར་པའི་འགྲོ་བ་སེམས་ཅན་རྣམས་གནས་སྐབས་ལྷ་མིའི་གོ་འཕང་དང་ཐར་ཐུག་རྣམ་མཁྱེན་གྱི་གོ་འཕང་ཐོབ་པའི་སྨོན་འཇུག་གི་སེམས་བསྐྱེད་ཐོག་བསྔོ་སྨོན་ལམ་འདབས་དགོས།

༄༅། །ཆོས་སྐད་འཛིན་གྲྭའི་རིའུ་མིག། བདུན་ཕྲག་གཉིས་པ།

ཐོག་མར༽ སྦྱོར་བ་སེམས་བསྐྱེད་ནི།

མ་ནམ་མཉམ་པའི་སེམས་ཅན་གྱི་དོན་དུ་ཆོས་སྐད་སྦྱང་བར་བསམ།

བར་དུ༽ དངོས་གཞི་དམིགས་མེད་པ་ནི།

ཡི་གེ་སྦྱོང་བའི་སྐབས་སུ་སྣང་མེད་དུ་མ་སོང་བར་ལུས་ངག་ཡིད་གསུམ་དྲེན་ཤེས་ཀྱི་ཐོག་ཡི་གེ་བསློབ་དགོས་པ་ཡིན།

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | ཨང་རིམ། | ཕྱག་ཚོད། ༡ | བརྗོད་བྱ། | སྦྱོང་བརྡ། | དྲི་བ། | དྲན་གསོ། | | ༡ | སྐར་ཆ་༼༡༠༽ | གསལ་བྱེད། |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | ༢ | སྐར་ཆ་༼༡༥༽ | གསལ་བྱེད་སྒྲ་བརྟག་པ། |  |  |  | | ༣ | སྐར་ཆ་༼༤༠༽ | གསལ་བྱེད་ཀྱི་སྐྱེ་གནས། |  |  |  | | ༤ | སྐར་ཆ་༼༡༥༽ | དྲི་བ། |  |  |  | | ༥ | སྐར་ཆ་༼༡༠༽ | ལེན། |  |  |  | |

མཐའ་མ༽ དགེ་བ་སེམས་ཅན་གྱི་དོན་དུ་བསྔོ་བ་ནི།

ཚེ་འདིའི་ཕ་མར་གཙོ་བོར་གྱུར་པའི་འགྲོ་བ་སེམས་ཅན་རྣམས་གནས་སྐབས་ལྷ་མིའི་གོ་འཕང་དང་ཐར་ཐུག་རྣམ་མཁྱེན་གྱི་གོ་འཕང་ཐོབ་པའི་སྨོན་འཇུག་གི་སེམས་བསྐྱེད་ཐོག་བསྔོ་སྨོན་ལམ་འདབས་དགོས།

༄༅། །ཆོས་སྐད་འཛིན་གྲྭའི་རིའུ་མིག། བདུན་ཕྲག་གསུམ་པ།

ཐོག་མར༽ སྦྱོར་བ་སེམས་བསྐྱེད་ནི།

མ་ནམ་མཉམ་པའི་སེམས་ཅན་གྱི་དོན་དུ་ཆོས་སྐད་སྦྱང་བར་བསམ།

བར་དུ༽ དངོས་གཞི་དམིགས་མེད་པ་ནི།

ཡི་གེ་སྦྱོང་བའི་སྐབས་སུ་སྣང་མེད་དུ་མ་སོང་བར་ལུས་ངག་ཡིད་གསུམ་དྲེན་ཤེས་ཀྱི་ཐོག་ཡི་གེ་བསློབ་དགོས་པ་ཡིན།

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | ཨང་རིམ། | ཕྱག་ཚོད། ༡ | བརྗོད་བྱ། | སྦྱོང་བརྡ། | དྲི་བ། | དྲན་གསོ། | | ༡ | སྐར་ཆ་༼༡༠༽ |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | ༢ | སྐར་ཆ་༼༡༥༽ |  |  |  |  | | ༣ | སྐར་ཆ་༼༤༠༽ |  |  |  |  | | ༤ | སྐར་ཆ་༼༡༥༽ | དྲི་བ། |  |  |  | | ༥ | སྐར་ཆ་༼༡༠༽ | ལེན། |  |  |  | |

མཐའ་མ༽ དགེ་བ་སེམས་ཅན་གྱི་དོན་དུ་བསྔོ་བ་ནི།

ཚེ་འདིའི་ཕ་མར་གཙོ་བོར་གྱུར་པའི་འགྲོ་བ་སེམས་ཅན་རྣམས་གནས་སྐབས་ལྷ་མིའི་གོ་འཕང་དང་ཐར་ཐུག་རྣམ་མཁྱེན་གྱི་གོ་འཕང་ཐོབ་པའི་སྨོན་འཇུག་གི་སེམས་བསྐྱེད་ཐོག་བསྔོ་སྨོན་ལམ་འདབས་དགོས།

༄༅། །ཆོས་སྐད་འཛིན་གྲྭའི་རིའུ་མིག། བདུན་ཕྲག་བཞི་པ།

ཐོག་མར༽ སྦྱོར་བ་སེམས་བསྐྱེད་ནི།

མ་ནམ་མཉམ་པའི་སེམས་ཅན་གྱི་དོན་དུ་ཆོས་སྐད་སྦྱང་བར་བསམ།

བར་དུ༽ དངོས་གཞི་དམིགས་མེད་པ་ནི།

ཡི་གེ་སྦྱོང་བའི་སྐབས་སུ་སྣང་མེད་དུ་མ་སོང་བར་ལུས་ངག་ཡིད་གསུམ་དྲེན་ཤེས་ཀྱི་ཐོག་ཡི་གེ་བསློབ་དགོས་པ་ཡིན།

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | ཨང་རིམ། | ཕྱག་ཚོད། ༡ | བརྗོད་བྱ། | སྦྱོང་བརྡ། | དྲི་བ། | དྲན་གསོ། | | ༡ | སྐར་ཆ་༼༡༠༽ |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | ༢ | སྐར་ཆ་༼༥༽ |  |  |  |  | | ༣ | སྐར་ཆ་༼༣༠༽ |  |  |  |  | | ༤ | སྐར་ཆ་༼༡༠༽ | དྲི་བ། |  |  |  | | ༥ | སྐར་ཆ་༼༥༽ | ལེན། |  |  |  | |

མཐའ་མ༽ དགེ་བ་སེམས་ཅན་གྱི་དོན་དུ་བསྔོ་བ་ནི།

ཚེ་འདིའི་ཕ་མར་གཙོ་བོར་གྱུར་པའི་འགྲོ་བ་སེམས་ཅན་རྣམས་གནས་སྐབས་ལྷ་མིའི་གོ་འཕང་དང་ཐར་ཐུག་

རྣམ་མཁྱེན་གྱི་གོ་འཕང་ཐོབ་པའི་སྨོན་འཇུག་གི་སེམས་བསྐྱེད་ཐོག་བསྔོ་སྨོན་ལམ་འདབས་དགོས།།

༄༅། །ཆོས་སྐད་འཛིན་གྲྭའི་རིའུ་མིག། བདུན་ཕྲག་ལྔ་པ།

ཐོག་མར༽ སྦྱོར་བ་སེམས་བསྐྱེད་ནི།

མ་ནམ་མཉམ་པའི་སེམས་ཅན་གྱི་དོན་དུ་ཆོས་སྐད་སྦྱང་བར་བསམ།

བར་དུ༽ དངོས་གཞི་དམིགས་མེད་པ་ནི།

ཡི་གེ་སྦྱོང་བའི་སྐབས་སུ་སྣང་མེད་དུ་མ་སོང་བར་ལུས་ངག་ཡིད་གསུམ་དྲེན་ཤེས་ཀྱི་ཐོག་ཡི་གེ་བསློབ་དགོས་པ་ཡིན།

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | ཨང་རིམ། | ཕྱག་ཚོད། ༡ | བརྗོད་བྱ། | སྦྱོང་བརྡ། | དྲི་བ། | དྲན་གསོ། | | ༡ | སྐར་ཆ་༼༡༠༽ |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | ༢ | སྐར་ཆ་༼༥༽ |  |  |  |  | | ༣ | སྐར་ཆ་༼༣༠༽ |  |  |  |  | | ༤ | སྐར་ཆ་༼༡༠༽ | དྲི་བ། |  |  |  | | ༥ | སྐར་ཆ་༼༥༽ | ལེན། |  |  |  | |

མཐའ་མ༽ དགེ་བ་སེམས་ཅན་གྱི་དོན་དུ་བསྔོ་བ་ནི།

ཚེ་འདིའི་ཕ་མར་གཙོ་བོར་གྱུར་པའི་འགྲོ་བ་སེམས་ཅན་རྣམས་གནས་སྐབས་ལྷ་མིའི་གོ་འཕང་དང་ཐར་ཐུག་རྣམ་མཁྱེན་གྱི་གོ་འཕང་ཐོབ་པའི་སྨོན་འཇུག་གི་སེམས་བསྐྱེད་ཐོག་བསྔོ་སྨོན་ལམ་འདབས་དགོས།།

༄༅། །ཆོས་སྐད་འཛིན་གྲྭའི་རིའུ་མིག། བདུན་ཕྲག་དྲུག་པ།

ཐོག་མར༽ སྦྱོར་བ་སེམས་བསྐྱེད་ནི།

མ་ནམ་མཉམ་པའི་སེམས་ཅན་གྱི་དོན་དུ་ཆོས་སྐད་སྦྱང་བར་བསམ།

བར་དུ༽ དངོས་གཞི་དམིགས་མེད་པ་ནི།

ཡི་གེ་སྦྱོང་བའི་སྐབས་སུ་སྣང་མེད་དུ་མ་སོང་བར་ལུས་ངག་ཡིད་གསུམ་དྲེན་ཤེས་ཀྱི་ཐོག་ཡི་གེ་བསློབ་དགོས་པ་ཡིན།

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | ཨང་རིམ། | ཕྱག་ཚོད། ༡ | བརྗོད་བྱ། | སྦྱོང་བརྡ། | དྲི་བ། | དྲན་གསོ། | | ༡ | སྐར་ཆ་༼༡༠༽ |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | ༢ | སྐར་ཆ་༼༥༽ |  |  |  |  | | ༣ | སྐར་ཆ་༼༣༠༽ |  |  |  |  | | ༤ | སྐར་ཆ་༼༡༠༽ | དྲི་བ། |  |  |  | | ༥ | སྐར་ཆ་༼༥༽ | ལེན། |  |  |  | |

མཐའ་མ༽ དགེ་བ་སེམས་ཅན་གྱི་དོན་དུ་བསྔོ་བ་ནི།

ཚེ་འདིའི་ཕ་མར་གཙོ་བོར་གྱུར་པའི་འགྲོ་བ་སེམས་ཅན་རྣམས་གནས་སྐབས་ལྷ་མིའི་གོ་འཕང་དང་ཐར་ཐུག་

རྣམ་མཁྱེན་གྱི་གོ་འཕང་ཐོབ་པའི་སྨོན་འཇུག་གི་སེམས་བསྐྱེད་ཐོག་བསྔོ་སྨོན་ལམ་འདབས་དགོས།

སྤྱི་ཚེས་༢་༢་༢༣

ཚིག་འཕྲད།

༡༽རྒྱལ་བའི་བཀའ།

༢༽ངལ་བའི་དཀའ།

༣༽རོ་སྐ།

༤༽རི་དྭགས་བ་རྒོ་བ།

༥༽ཁང་པའི་སྒོ།

༦༽གོས་བགོ།

༧༽བཀའ་བསྒོ།

༨༽ན་ཚོད་རྒས་པ།

༩༽རྟ་ཡི་སྒ།

༡༠༽ཡིད་དགའ།